कानपुर, गुरुवार, 28 मई, 2026
वर्ष: 03, अंक: 131, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड सीमा पर अवैध निर्माणों पर चलेगा बुलडोजर..>Pg12
कानपुर में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर होगा मजबूत..>Pg03
मूल्य: 2 ₹

जून से घरेलू उड़ानों में बड़ी कटौती, यूपी के छोटे एयरपोर्ट पर बढ़ेगा संकट

हवाई सफर पर युद्ध का 'प्रहार'

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का असर अब भारत के घरेलू विमानन सेक्टर पर साफ दिखाई देने लगा है। देश की दो सबसे बड़ी एयरलाइंस एअर इंडिया और इंडिगो ने जून से घरेलू उड़ानों में कटौती का फैसला लिया है। विभिन्न रिपोर्ट्स और एयरलाइन सूत्रों के अनुसार एयर इंडिया अपनी घरेलू उड़ानों में 20 से 28 प्रतिशत तक कमी करेगी, जबकि इंडिगो 5 से 7 प्रतिशत तक उड़ानों में कटौती कर सकती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कटौती जून से अगस्त 2026 के बीच लागू रहेगी। एयरलाइंस का कहना है कि एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण परिचालन लागत लगातार बढ़ रही है। विमानन कंपनियों के कुल खर्च का लगभग 35 से 40 प्रतिशत हिस्सा ईंधन पर खर्च होता है। ईरान और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ने से भारतीय एयरलाइंस पर दबाव बढ़ गया है।

एयर इंडिया ने बयान जारी कर कहा है कि कुछ घरेलू रूट्स पर उड़ानों की आवृत्ति अस्थायी रूप से कम की जाएगी। हालांकि किसी भी रूट को पूरी तरह बंद नहीं किया जाएगा। इंडिगो ने भी सीमित क्षमता के साथ संचालन की पुष्टि की है। इस कटौती का सबसे ज्यादा असर मुंबई, बेंगलुरू, हैदराबाद, गोवा और दिल्ली जैसे बड़े एयरपोर्ट पर देखने को मिलेगा, जहां हर दिन सैकड़ों उड़ानें संचालित होती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सीटों की उपलब्धता घटने से घरेलू हवाई किराए में भी बढ़ोतरी होगी। गर्मी और छुट्टियों के मौसम में यात्रियों को महंगे टिकट और कम विकल्पों का सामना करना पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय एयरपोर्ट्स पर इसका असर और गंभीर माना जा रहा है। कानपुर, प्रयागराज, गोरखपुर, बरेली, हिंडन और कुशीनगर जैसे एयरपोर्ट पहले ही सीमित उड़ानों के सहारे संचालित हो रहे हैं। अब यदि एयरलाइंस ने कम लाभ वाले रूट्स पर उड़ानों की संख्या घटाई तो इन एयरपोर्ट्स की कनेक्टिविटी और कमजोर हो सकती है। विमानन विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे शहरों की उड़ानें अक्सर कम यात्री संख्या और अधिक परिचालन लागत के कारण एयरलाइंस के लिए घाटे का सौदा बन जाती हैं।

विशेषज्ञ यह भी मान रहे हैं कि यदि मिडिल ईस्ट संकट लंबा चला तो आने वाले महीनों में विमानन क्षेत्र पर दबाव और बढ़ सकता है। इससे किराए बढ़ने, उड़ानों की और कटौती तथा यात्रियों की परेशानी में इजाफा होने की आशंका है।

यात्रियों पर क्या पड़ेगा असर?

- टिकट किराया बढ़ सकते हैं
- वेटिंग और सीट संकट बढ़ेगा
- कनेक्टिंग फ्लाइट्स में परेशानी
- छुट्टियों और त्योहारों में यात्रा महंगी होगी

क्यों महंगा हुआ एटीएफ?

- ईरान और पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल
- भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है
- डॉलर मजबूत होने से एयरलाइंस की लागत और बढ़ी

- एयर इंडिया और इंडिगो ने जून-अगस्त के बीच उड़ानों में कटौती की तैयारी की
- एयर टरबाइन फ्यूल महंगा होने से एयरलाइंस की लागत बढ़ी, किराया भी बढ़ने के संकेत

- भारत में घरेलू विमानन बाजार का बड़ा हिस्सा इंडिगो और एयर इंडिया के पास है।
- इंडिगो अकेले 60 प्रतिशत से अधिक घरेलू बाजार नियंत्रित करती है।
- पाकिस्तान एयरस्पेस प्रतिबंध से भी भारतीय एयरलाइंस की लागत बढ़ी है।
- एयरलाइंस के कुल परिचालन खर्च में ATF सबसे बड़ा घटक होता है।
- कई एयरलाइंस पहले ही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती कर चुकी हैं।
- विशेषज्ञों के अनुसार सीटें कम होने पर किराए स्वतः बढ़ जाते हैं।
- छोटे शहरों की हवाई कनेक्टिविटी पर संकट गहराने की आशंका बढ़ गई है।

हीट वेव: अस्पतालों से लेकर बिजली-पानी तक अलर्ट मोड में रहें अफसर: योगी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में लगातार बढ़ते तापमान और हीट वेव की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मी और लू से जनजीवन प्रभावित न हो, इसके लिए सभी विभाग पूरी सतर्कता के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग तथा राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि वे अस्पतालों, पेयजल आपूर्ति और बिजली व्यवस्था की लगातार निगरानी करें। सरकारी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए पर्याप्त बेड, दवाइयां, ओआरएस, आइस पैक और जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी पूरी तरह तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि गर्म हवाओं और भीषण तापमान के बीच बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि अत्यधिक गर्मी के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें और सूती अथवा खादी के ढीले कपड़े पहनें। मजदूरों और निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि उन्हें निर्जलीकरण, थकावट और लू से बचाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने आग लगने की घटनाओं को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी किसी भी लापरवाही से बचा जाए, जिससे आग लगने की आशंका पैदा हो। बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मरों और ज्वलनशील स्थलों की विशेष निगरानी करने को कहा गया है। प्रदेश सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि मौसम विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन या स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें।

- सभी जिलाधिकारियों, स्वास्थ्य, बिजली और राहत एजेंसियों को सतर्क रहने के आदेश
- लू से बचाव के लिए जनता से सावधानी बरतने और बच्चों-बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की अपील

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में एआई से नकल का खेल, बीएनएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल हटाए गए

प्रश्नपत्र लीक कर अभ्यर्थी को पास कराने की थी साजिश, पांच शिक्षक निलंबित

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। चुन्नीगंज स्थित बीएनएसडी इंटर कॉलेज में आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा में सेंधमारी और एआई आधारित नकल प्रकरण में बड़ी कार्रवाई हुई है। केंद्र व्यवस्थापक की ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में प्रधानाचार्य अमर सिंह को निलंबित करने के बाद पद से भी हटा दिया गया है। वहीं प्रबंधन ने मामले में निलंबित पांच शिक्षकों को नोटिस और निलंबन पत्र जारी कर जवाब तलब किया है।

बुधवार को बीएनएसडी इंटर कॉलेज प्रबंध समिति के सह प्रबंधक हरिभाऊ खांडेकर ने विद्यालय पहुंचकर हिंदी प्रवक्ता डॉ. ओपी पाठक को नए प्रधानाचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण कराया।

कॉलेज में हुए इस प्रशासनिक बदलाव की पूरे स्टाफ में चर्चा रही। दरअसल, 25 अप्रैल को कॉलेज में दूसरी पाली में आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक कर एक अभ्यर्थी को पास कराने की साजिश का खुलासा हुआ था।

जांच के बाद कॉलेज प्रबंधन ने 16 मई को प्रधानाचार्य एवं केंद्र व्यवस्थापक अमर सिंह, सह केंद्र व्यवस्थापक ललित बाजपेयी, उप प्रधानाचार्य सुशील कुमार, सह केंद्र व्यवस्थापक प्रशांत यादव और रसायन विज्ञान प्रवक्ता अखिलेश यादव को निलंबित कर दिया था।जांच में सामने आया कि दो लोगों को फर्जी कक्ष निरीक्षक बनाकर प्रश्न पुस्तिका चोरी करवाई गई थी

। इसके बाद उसे कॉलेज के एनसीसी कक्ष में ले जाकर मोबाइल फोन से प्रश्नपत्र की फोटो खींचने और एआई के जरिए उत्तर निकालने की तैयारी थी। फिर प्रिंटर से उत्तर निकालकर ओएमआर शीट भरकर एक परिचित अभ्यर्थी को पास कराने की योजना बनाई गई थी।

पकड़े गए आरोपी संदीप ने पूछताछ में बताया कि निर्मल कुमार ने उसे प्रश्न पुस्तिका एनसीसी कक्ष तक पहुंचाने को कहा था। वहां पहले से मोबाइल फोन और प्रिंटर रखे गए थे। आरोपी अखिलेश यादव ने कमरे की चाबी उपलब्ध कराई थी।

योजना के तहत कक्ष संख्या 21 में अनुपस्थित दिखाए गए अभ्यर्थी राहुल कुमार की ओएमआर शीट भरनी थी। मामले में आरोपी अखिलेश यादव और दो कक्ष निरीक्षकों को पहले जेल भेजा गया था। फिलहाल अखिलेश यादव जमानत पर बाहर हैं। पुलिस और कॉलेज प्रबंधन पूरे प्रकरण की गहन जांच में जुटे हैं।

कानपुर-इटावा हाईवे पर भीषण हादसा, ट्रैफिक दरोगा की मौके पर गई जान

» तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से पुलिस वाहन में जोरदार टक्कर मार दी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर-इटावा हाईवे पर गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में यातायात विभाग के दरोगा दिनेश भदौरिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मिहोली के पास उस समय हुआ, जब हाईवे पेट्रोलिंग वाहन सड़क पर गश्त कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से पुलिस वाहन में जोरदार टक्कर मार दी।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा।

हादसे में यातायात दरोगा दिनेश भदौरिया ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि सिपाही मनोज कुमार और वाहन चालक सुरेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने कानपुर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू कराई। पुलिस ने डंपर और उसके चालक को कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है और साथी पुलिसकर्मियों ने दरोगा दिनेश भदौरिया को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

छत के रास्ते घुसे चोर, ठेकेदार के घर से 25 लाख की चोरी

» देर रात अलमारी तोड़ नकदी और जेवर समेट ले गए बदमाश

» सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित कल्याणपुर कला में बुधवार देर रात चोरों ने एक ठेकेदार के मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और जेवर समेत करीब 25 लाख रुपये का माल पार कर दिया। बदमाश छत के रास्ते घर में दाखिल हुए और नीचे बने कमरे की अलमारी का लॉक तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। घटना के वक्त परिवार के अधिकांश सदस्य ऊपरी मंजिल पर सो रहे थे, जबकि घर की बुजुर्ग महिलाएं ग्राउंड फ्लोर पर थीं।परिवार के मुताबिक मकान निर्माण ठेकेदार हनी यादव के घर में देर रात करीब 1ः45 बजे आहट होने पर उनकी मां रामा यादव की नींद खुली। उन्होंने उठकर देखा तो बदमाश मौके से भाग निकले। कमरे में पहुंचने पर अलमारी का लॉक टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने परिवार के अन्य सदस्यों को जगाकर घटना की जानकारी दी।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सुबह डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी, प्रशिक्षु आईपीएस डॉ. सुमेध मिलिंद जाधव, एसीपी आशुतोष कुमार समेत फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में दो संदिग्ध दिखाई दिए हैं।पुलिस को आशंका है कि चोर गली के बाहर स्थित एक जर्जर मकान की छत से होते हुए दूसरे मकान को पार कर हनी यादव के घर में दाखिल हुए थे। शुरुआती जांच में परिवार ने स्प्रे छिड़कने की आशंका जताई थी, हालांकि बाद में इससे इनकार कर दिया। पुलिस फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। प्रशिक्षु आईपीएस डॉ. सुमेध मिलिंद जाधव ने बताया कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

चार दिन बाद बदलेगा मौसम, आंधी-बारिश के आसार

» फिलहाल लू का असर जारी, मौसम विभाग ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के सस्य विज्ञान विभाग की ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं एग्रिपाम योजना द्वारा जारी मौसम बुलेटिन के अनुसार जिले में फिलहाल गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहेगा। गुरुवार को अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री ज्यादा है।

मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता 67 प्रतिशत और न्यूनतम 26 प्रतिशत दर्ज की गई। हवा की औसत गति 8.5 किलोमीटर प्रति घंटा रही तथा हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से चलीं। पिछले 24 घंटों में जिले में कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि आगामी एक दिन तक आसमान साफ रहने की संभावना है, जिससे हीट वेव का असर बना रहेगा। इसके बाद 28 से 31 मई के बीच मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस दौरान आसमान में मध्यम से घने बादल छाने, तेज हवाएं चलने तथा गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है।

कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम को देखते हुए खेतों में सिंचाई और फसलों की सुरक्षा संबंधी कार्य सावधानीपूर्वक करें। अत्यधिक गर्मी के दौरान पशुओं और श्रमिकों को भी धूप से बचाने के उपाय अपनाने की अपील की गई है।

शादी के तीन महीने बाद नवविवाहिता ने दी जान

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र में शादी के महज तीन महीने बाद एक नवविवाहिता ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना शिवकटरा के पीछे केस्को सबस्टेशन के पास की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।मृतका अंजली (20) की शादी इसी साल 4 फरवरी को अमित कनौजिया से हुई थी। अमित निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। परिवार में मां शकुंतला और पत्नी अंजली थीं।

बड़े भाई अंकित के मुताबिक सोमवार शाम अंजली घर पर अकेली थी। देर शाम जब मां काम से वापस लौटीं तो अंजली का शव फंदे से लटका मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। अंजली का मायका अंबेडकरनगर में है। थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्र ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फांसी लगने से मौत की पुष्टि हुई है। मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

ईद-उल-अजहा की नमाज में अमन-चैन और खुशहाली की मांगी दुआ

पुलिस-प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद, सुरक्षा व्यवस्था के रहे कड़े इंतजाम, नमाज के बाद गले मिलकर दी मुबारकबाद

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। मरकज़ी ईदगाह बेनाझाबर में शनिवार को ईद-उल-अजहा की नमाज बेहद शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और धार्मिक आस्था के वातावरण में अदा की गई। सुबह से ही ईदगाह परिसर में नमाजियों का पहुंचना शुरू हो गया था। लोगों ने पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ नमाज अदा कर मुल्क और प्रदेश में अमन, तरक्की और भाईचारे की दुआ मांगी।

त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। ईदगाह परिसर तथा आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल लगातार गश्त करता रहा, जबकि प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती गई, जिससे कहीं भी अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कानपुर नगर की पहचान आपसी भाईचारे, मेल-मिलाप और गंगा-जमुनी तहजीब से है।

उन्होंने कहा कि शहर में त्योहार पूरी शांति, सौहार्द और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है, जो कानपुर की सामाजिक एकता को मजबूत करता है।

अधिकारियों ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप नगर निगम, केस्को, जल निगम समेत सभी संबंधित विभागों को पहले से आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

सभी विभागों ने आपसी समन्वय के साथ सफाई, बिजली, पेयजल और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखा, जिससे नमाजियों और आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

नमाज समाप्त होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी। ईदगाह परिसर में भाईचारे और सौहार्द का सुंदर दृश्य देखने को मिला। बच्चों और युवाओं में त्योहार को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

रेलवे स्टेशन बना तस्करों का ट्रांजिट प्वाइंट

आरपीएफ-जीआरपी ने 80 लाख का गांजा पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। रेलवे के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी पर शिकंजा कसते हुए आरपीएफ और जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने बुधवार तड़के बड़ी कार्रवाई कर दो अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 74 किलो 230 ग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई है।

बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। संयुक्त टीम द्वारा स्टेशन के कैंट साइड गेट नंबर-2 के पास सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सार्वजनिक शौचालय के पीछे संदिग्ध हालत में खड़े दो युवकों पर पुलिस की नजर पड़ी। पूछताछ के दौरान दोनों घबराने लगे, जिस पर टीम ने उनके पास रखे तीन ट्रॉली बैग और तीन पिट्ठू बैगों की तलाशी ली। तलाशी में बैगों से भारी मात्रा में गांजा बरामद होते ही दोनों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रेम कुमार निवासी मथुरा और सुभाष निवासी अलीगढ़ के रूप में हुई है। जीआरपी थाना कानपुर सेंट्रल में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे भुवनेश्वर से कम कीमत पर गांजा खरीदकर रेल मार्ग के जरिए अलीगढ़ ले जा रहे थे, जहां इसे ऊंचे दामों में बेचने की तैयारी थी। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि तस्कर लंबे समय से रेलवे नेटवर्क का इस्तेमाल कर मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले गिरोह से जुड़े हो सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियां आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और यात्रा संबंधी रिकॉर्ड खंगाल रही हैं, ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों के मुताबिक रेलवे मार्ग को तस्कर सबसे सुरक्षित माध्यम मानकर इस्तेमाल कर रहे हैं। इसी को देखते हुए आरपीएफ, जीआरपी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के बीच समन्वय बढ़ाया गया है। रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और संदिग्ध यात्रियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में कानपुर सेंट्रल समेत प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर चेकिंग अभियान और तेज किया जाएगा।

कानपुर में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर होगा मजबूत, जीएमसी यार्ड की बढ़ेगी क्षमता

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर मध्य रेलवे ने कानपुर में लगातार बढ़ रहे रेल यातायात और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में बड़ी पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में बुधवार को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कानपुर पहुंचकर जीएमसी यार्ड, कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन और गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रेनों की मरम्मत, वॉशिंग और रखरखाव व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को क्षमता विस्तार की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने कहा कि बीते एक दशक में कानपुर होकर गुजरने वाली ट्रेनों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। लगभग 10 से 15 वर्ष पहले जहां करीब 150 ट्रेनों का संचालन होता था, वहीं वर्तमान में यह संख्या बढ़कर लगभग 300 तक पहुंच चुकी है। आने वाले वर्षों में ट्रेनों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है, जिसके मद्देनुसार रेलवे को अपने मेंटेनेंस सिस्टम को और अधिक सशक्त बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि ट्रेनों का सुरक्षित और समयबद्ध संचालन तभी संभव है, जब उनकी मरम्मत, रखरखाव और वॉशिंग

की व्यवस्थाएं आधुनिक एवं सक्षम हों। इसी उद्देश्य से जीएमसी यार्ड में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार, मरम्मत क्षमता में वृद्धि और वॉशिंग सिस्टम को सुदृढ़ करने की दिशा में तेजी से काम शुरू किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान रेलवे अधिकारियों के साथ विभिन्न तकनीकी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा भी की गई। महाप्रबंधक ने संरक्षा, परिचालन दक्षता और यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक शरद चंद्रायन, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल रजनीश अग्रवाल, उप मुख्य यातायात प्रबंधक कानपुर आकांक्षा गोविल, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक डॉ. शिवम शर्मा समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

बकरा मंडी विवाद के बाद विधायक नसीम सोलंकी का गनर सस्पेंड

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। हलीम कॉलेज ग्राउंड स्थित बकरा मंडी में हुए विवाद के बाद सीसामऊ से सपा विधायक नसीम सोलंकी के गनर अजीम अहमद को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस विभाग ने यह कार्रवाई विधायक की सुरक्षा में लापरवाही मानते हुए की है। जानकारी के अनुसार, बकरा मंडी में पूर्व विधायक इरफान सोलंकी और मंडी संचालक पक्ष के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और हंगामा शुरू हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। बाद में दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस आयुक्त ने पूरे घटनाक्रम की समीक्षा के बाद गनर अजीम अहमद की भूमिका पर सवाल उठाए और उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए।

संत प्रेमानंद जी महाराज के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हवन-पूजन, भजन संध्या व राधा नाम जप आयोजित

» शहर के बाहरी इलाकों में पानी का छिड़काव ठप, धूल से बेहाल नागरिक !

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पद्मिनी एकादशी के पावन अवसर पर केशव नगर स्थित रामेष्ट धाम में केशव मधुवन सेवा समिति की ओर से संत प्रेमानंद जी महाराज के शीघ्र स्वस्थ लाभ की कामना को लेकर भव्य हवन-पूजन, भजन संध्या एवं राधा नाम जप कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सहभागिता की।

हवन-पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संत प्रेमानंद जी महाराज के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना की। इसके बाद आयोजित भजन संध्या में महिलाओं ने हमारो मन राधा श्री राधा, हमारो मन राधा ले गई रे तथा जय राधा राधा श्री राधा जैसे भजनों और नाम जप के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि संत प्रेमानंद जी महाराज आज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके निष्कपट, निस्वार्थ और आध्यात्मिक विचार समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग उनके दर्शन और आशीर्वाद को अपने जीवन का सौभाग्य मानते हैं।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजेश्वरी दुबे, रेनू अवस्थी, मोहनी बाजपेई, जयंती बाजपेई, मधु मिश्रा, सीमा शुक्ला, विजय लक्ष्मी, पिंकी त्रिवेदी, मुन्नी अवस्थी, बिनीता दीक्षित, निर्मला, रेखा दीक्षित, मीरा त्रिपाठी, आशा, बबली और संतोषी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का आयोजन केशव मधुवन सेवा समिति, केशव नगर द्वारा किया गया।

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों की 'साइंस लैब', आईआईटी कानपुर के साथ सीख रहे रोबोटिक्स और एआई

» 24 जून तक चलेगा ग्रीष्मकालीन विज्ञान शिविर, 30 मेधावी छात्र कर रहे प्रयोगात्मक अध्ययन

» पायथन, डेटा माइनिंग, सोलर तकनीक और एस्ट्रोनॉमी जैसी आधुनिक तकनीकों से हो रहा परिचय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गर्मी की छुट्टियां इस बार सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों के लिए नई सीख और वैज्ञानिक प्रयोगों का अवसर बन गई हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद के 30 छात्र इन दिनों आईआईटी कानपुर के सहयोग से आयोजित ग्रीष्मकालीन विज्ञान शिविर-2026 में विज्ञान और तकनीक की व्यवहारिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। 26 मई से शुरू हुआ यह शिविर 24 जून तक चलेगा।

रंजीत सिंह रोजी शिक्षा केंद्र में चल रहे इस शिविर में छात्र केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रोबोटिक्स, डेटा माइनिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सोलर तकनीक और

हाइड्रोपावर जैसे विषयों पर प्रयोगात्मक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं।

कोई सोलर कुकर तैयार कर रहा है तो कोई वायरलेस चार्जर और पानी से बिजली पैदा करने के मॉडल पर काम कर रहा है।

कई विद्यार्थी पहली बार कंप्यूटर कोडिंग और पायथन प्रोग्रामिंग सीख रहे हैं।

बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शिविर का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से उनके प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को रचनात्मक और व्यवहारिक शिक्षा से जोड़ना है, ताकि उनमें विज्ञान और नवाचार के प्रति रुचि विकसित हो सके।

शिविर के लिए विद्यार्थियों का चयन विज्ञान प्रदर्शनी, क्विज प्रतियोगिता और शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर किया गया। इसके बाद इंटरव्यू के माध्यम से उनकी वैज्ञानिक समझ और तार्किक क्षमता का परीक्षण हुआ।

चयनित अधिकांश विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं।

आईआईटी कानपुर के प्रो. संदीप संगल के नेतृत्व में प्रो. आदित्य केलकर, प्रो. जे. रामकुमार, प्रभाकर और प्रो. सुधांशु सिंह विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी दे रहे हैं। शिविर में नाइट स्काई वाचिंग और आईआईटी परिसर की प्रयोगशालाओं का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाएगा।

घाटमपुर में 25 साल बाद लौटा कुष्मांडा मंदिर का गौरव

दूसरा तालाब जल से लबालब

बरसात शुरू होने से पहले ही गांव की हालत दलदल जैसी हो चुकी

शंकर सिंह/स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर कस्बे के प्राचीन माता कुष्मांडा देवी मंदिर परिसर में वर्षों बाद एक बार फिर धार्मिक आस्था और पुरानी रौनक लौटती दिखाई दे रही है।

मंदिर परिसर स्थित दूसरे तालाब में लगभग 25 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद दोबारा पानी भर गया है। तालाब में जल लबालब देखकर श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं और मंदिर परिसर ÷जय माता दी÷ के जयकारों से गूंज उठा।

स्थानीय लोगों और बुजुर्ग श्रद्धालुओं के अनुसार मंदिर का यह दूसरा तालाब पिछले करीब ढाई दशकों से पूरी तरह सूखा पड़ा था। समय के साथ इसकी स्थिति खराब होती चली गई और देखरेख के अभाव में तालाब अपना अस्तित्व खोने लगा था। बुजुर्ग बताते हैं कि करीब 30 वर्ष पहले तक इस तालाब में साल भर पानी भरा रहता था। दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु यहां स्नान करने के बाद माता के दर्शन करने जाया करते थे।

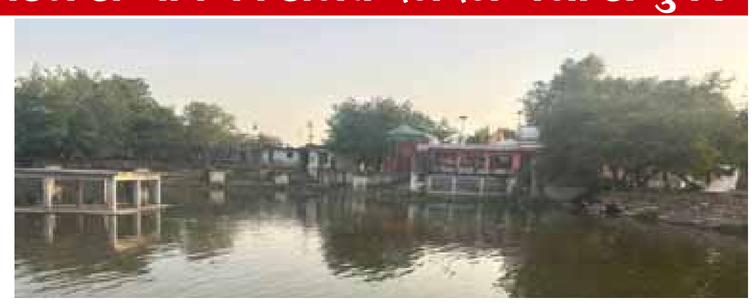

विधायक की पहल से लौटी रौनक

तालाब के पुनर्जीवन का श्रेय क्षेत्रीय विधायक की पहल को दिया जा रहा है। मंदिर परिसर में हाल ही में लगाए गए दूसरे ट्यूबवेल से तालाब में पानी छोड़ा गया, जिसके बाद सूखा पड़ा तालाब फिर से भर गया। पानी आते ही मंदिर परिसर की सुंदरता बढ़ गई और लोगों को पुराने समय का वैभव याद आ गया।

जनाना घाट के विकास की भी उम्मीद

मंदिर के बगल में बने जनाना घाट को भी अब व्यवस्थित किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा महिलाओं के स्नान और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए घाट को विकसित करने की योजना बनाई जा रही है, ताकि माताओं और बहनों को पूजा-अर्चना से पहले किसी प्रकार की परेशानी न हो।

श्रद्धालुओं में खुशी, जताया आभार

तालाब में पानी भरने की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे। लोगों ने क्षेत्रीय विधायक और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कुष्मांडा देवी मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि घाटमपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान भी है।

श्रद्धालुओं का मानना है कि तालाब के पुनर्जीवन से मंदिर की भव्यता और धार्मिक महत्व दोनों में वृद्धि होगी।

दिव्यांगजनों को मिलेगा कानूनी सहारा, परिजन बन सकेंगे विधिक संरक्षक

» डीएम की अध्यक्षता में 16 प्रस्तावों पर सुनवाई 'द नेशनल ट्रस्ट' पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांगता और बहुदिव्यांगता से जूझ रहे लोगों को कानूनी सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में

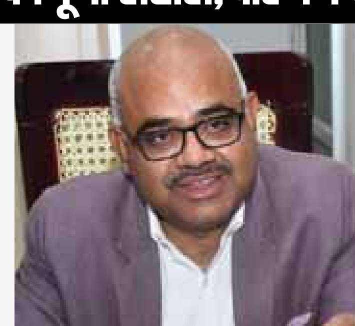

विधिक संरक्षक नियुक्ति से जुड़े 16 प्रस्तावों पर चर्चा और सुनवाई की गई।बैठक में बताया गया कि कई मानसिक एवं बौद्धिक दिव्यांगजन बैंकिंग, इलाज, शिक्षा, संपत्ति और सरकारी योजनाओं से जुड़े निर्णय स्वयं लेने में सक्षम नहीं होते। ऐसे मामलों में माता-पिता या निकट संबंधी विधिक संरक्षक बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं। संरक्षक नियुक्त होने के बाद दिव्यांगजन के हितों की कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस व्यवस्था के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि जरूरतमंद परिवार लाभ से वंचित न रहें। बैठक में बताया गया कि 'द नेशनल ट्रस्ट' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आवेदन के बाद जिला स्तरीय समिति जांच और सुनवाई कर निर्णय लेती है।

सम्पादकीय

प्राथमिकता से प्रणालीगत सुधार करे सीबीएसई

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है।

सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया। निश्चित रूप से एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली में इतना लचीलापन होना चाहिए कि छात्रों के आक्रोश के सार्वजनिक होने, राजनीतिक टीका-टिप्पणी सामने आने या ऑनलाइन अभियान चलने से पहले समस्या का निराकरण हो जाए। हालिया घटनाक्रम का एक दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि सीबीएसई की लापरवाही का शिकार बने वेदांत को अपनी बात उठाने पर बुरी तरह लांछित किया।

कुछ सोशल मीडिया वीरों ने उसकी मुखरता से आवाज उठाने की कोशिश को देश विरोधी तक ही नहीं कहा, बल्कि कुछ ने तो उसे पाकिस्तानी तक कह दिया। यह तंत्र के बचाव में उतरने की अंधभक्ति ही है कि न्याय के लिये आवाज उठाने के लिये पीड़ित भारतीय नागरिक की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की असफल कोशिश हो। क्या न्याय के लिये आवाज उठाने वाले छात्रों को इसलिए अपमानित व प्रताड़ित होना चाहिए क्योंकि उसकी शिकायत सामने आने के बाद देश के नामचीन संगठनों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।

सरकारी स्कूलों की आपराधिक उपेक्षा क्यों

ज्योति मल्होत्रा

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख..नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ा रहा है।

स्कूली शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में 'नीति' आयोग ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। यह विडंबना ही है कि 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली की धूल में नीति-आयोग की यह रिपोर्ट कहीं खो सी गयी है। इस रिपोर्ट के कुछ आंकड़े सिर्फ चौंकाते ही नहीं, परेशान भी करते हैं। जैसे, यह रिपोर्ट बताती है कि देश में सरकारी और निजी स्कूलों की स्थितियों का अंतर शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की उपेक्षा को ही उजागर नहीं करता, बल्कि यह भी बता रहा है कि देश के भविष्य को लेकर हमारी चिंताएं कितनी खोखली हैं।प्रधानमंत्री एक से अधिक अवसरों पर अपने भाषणों में इस आशय के दावे कर चुके हैं कि देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तेजी से विकास कर रहा है। मसलन, एक भाषण में उन्होंने कहा था कि देश में प्रति सप्ताह एक नया विश्वविद्यालय खुल रहा है, हर रोज एक नया कॉलेज खुल रहा है। प्रधानमंत्री आईआईटी और आईआईएम के विस्तार के दावे भी कर चुके हैं। पिछले एक दशक के विश्लेषण पर आधारित यह रिपोर्ट बता रही है कि हमने शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को सरकारी और गैर-सरकारी में बांटकर समूची शिक्षा प्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिये हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ा रहा है। रिपोर्ट में ऐसे और भी कई आंकड़े हैं जो यह बताते हैं कि शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्र में हम किस तरह की आपराधिक उपेक्षा बरत रहे हैं। उदाहरण के लिए सन्? 2017 और 2024 के बीच देश में 87000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद हो गये, इसकी तुलना में निजी स्कूलों की जैसे बाढ़-सी आ रही है।यह सही है कि हाल के कुछ सालों में, विशेष कर कोरोना-काल के बाद सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वालों की संख्या कुछ बढ़ी है, पर इसका कारण शिक्षा का स्तर नहीं, अभिभावकों की आर्थिक विवशता कहीं अधिक है।वैसे, यह भी एक विडंबना ही है कि आज देश में हमारी शिक्षा भी गरीब और अमीर में बंट गयी है। मान लिया गया है कि आर्थिक अभावों से जूझ रहे परिवारों के बच्चों की विवशता है कि वे सरकारी स्कूलों में जाएं जहां पढ़ाई लगभग मुफ्त होती है। आर्थिक स्थिति जरा-सी भी सुधरती है तो यह अभिभावक महंगे स्कूलों की ओर रुख कर लेते हैं। शिक्षा के क्षेत्र का यह बंटवारा हमारी प्राथमिक चिंता होनी चाहिए। स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर ही विद्यार्थियों को 'छोटे-बड़े' का अहसास दिलाने वाली हमारी शिक्षा-नीति एक तरह से शिक्षा के अधिकार के हमारे दावों को ही झुठला रही है।

हम देश के हर बच्चे के शिक्षा के अधिकार की बात तो करते हैं, पर किस प्रकार की शिक्षा दी जा रही है इस बारे में शायद सोचना ही नहीं चाह रहे। सन्? 2021-22 में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 10,22,386 सरकारी और 3,35,844 निजी स्कूल हैं। यहां निजी स्कूल का मतलब महंगी पढ़ाई और बेहतर सुविधा है। यह कतई ज़रूरी नहीं है कि महंगी पढ़ाई का मतलब अच्छी पढ़ाई ही होड्ठ हां, इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और पढ़ाने वाले अभिभावक यह अहसास अवश्य जीते हैं कि उनका स्तर 'ऊंचा' है। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के बीमार सोच का पालन उन सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो समता-समानता के दर्शन वाले संविधान के प्रति निष्ठा रखते हैं।'पढ़ेगा इंडिया बढ़ेगा इंडिया' का नारा देने वाले को इस बात की भी चिंता होनी चाहिए।

शहरी बुनियादी ढांचा पर्यावरण अनुकूल व मानवीय बने

आईसीएमआर और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें सचेत कर रही है कि अत्यधिक गर्मी और लगातार अधूरी नींद इंसानी शरीर के भीतर तापमान नियंत्रित करने की क्षमता को नष्ट कर देती है। जब लगातार कई दिनों तक इंसान की नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर में तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन 'कोर्टिसोल' अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है।

जेठ की तपती दोपहरी में जब पारा 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है, तो महानगरों की आलीशान इमारतों के पीछे छिपा एक डरावना और कड़वा सच बाहर आने लगता है। दिनभर की हाड़-तोड़ मेहनत और चिलचिलाती धूप का सामना करने के बाद जब एक आम कामकाजी इंसान शाम को अपने घर लौटता है, तो उसे कुछ पल के सुकून और चैन की नींद की उम्मीद होती है। लेकिन आधुनिकता और अनियंत्रित विकास के दौर में हमारे महानगर रहने लायक ठिकाने कम और 'तपते तवे' अधिक बन चुके हैं। बुनियादी ढांचे का चरमराना, 'अर्बन हीट आइलैंड' का बढ़ता प्रभाव, पानी का गंभीर संकट और उस पर से बेहिसाब बिजली कटौती ने इंसान के जीवन को एक दुःस्वप्न में बदल दिया है। संकट अब शारीरिक थकावट या पसीने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें गंभीर रूप से शारीरिक व मानसिक रूप से बीमार बना रहा है।

मान्यता है कि सूर्यास्त के बाद धरती ठंडी होती है और रातें सुकून देती हैं। लेकिन हमारे महानगरों में यह प्राकृतिक चक्र पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है, जिसका मुख्य कारण 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव है। जब किसी शहर में पेड़-पौधों, तालाबों और खुली जमीनों को बेरहमी से खत्म करके वहां डामर की सड़कें, कंक्रीट की बहुमंजिला इमारतें और कांच के शीशों से ढके टॉवर खड़े कर दिए जाते हैं, तो वे दिनभर सूरज की भीषण गर्मी को अपने भीतर सोख लेते हैं। रात के समय, जब तापमान कम होना चाहिए, ये कंक्रीट के ढांचे उस सोखी हुई गर्मी को वापस वातावरण में छोड़ना शुरू करते हैं। 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' के वैज्ञानिक अध्ययन पुष्टि करते हैं कि महानगरों में रात का तापमान ग्रामीण या खुले इलाकों की तुलना में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज हो रहा है। इसका सीधा अर्थ यह है कि महानगरों में रातें अब दिनों से भी ज्यादा भारी और उमस भरी हो रही हैं।इस भयंकर रात की उमस में जब 'पावर कट' या बिजली कटौती का झटका लगता है, तो नागरिक पूरी तरह असहाय हो जाता है। इन्वर्टर कुछ घंटों में दम तोड़ देते हैं, पानी की मोटरें शांत हो जाती हैं और हवा का नामोनिशान मिट जाता है। आईसीएमआर और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें सचेत कर

रही हैं कि अत्यधिक गर्मी और लगातार अधूरी नींद इंसानी शरीर के भीतर तापमान नियंत्रित करने की क्षमता को नष्ट कर देती है। जब लगातार कई दिनों तक इंसान की नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर में तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन 'कोर्टिसोल' अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है। यही कारण है कि लोग 'एक्यूट' यानी गंभीर और अचानक उभरने वाली बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। बड़े शहरों के सरकारी अस्पतालों की आपातकालीन ओपीडी के आंकड़े बताते हैं कि मई-जून के महीनों में हीट स्ट्रोक, अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्रेन स्ट्रोक, गंभीर डिहाइड्रेशन और किडनी फेलियर के मामलों में एक-तिहाई से ज्यादा की वृद्धि देखी जा रही है। जब पानी का अभाव और अगले दिन बिना सोए दफ्तर या काम पर जुटने की चिंता जुड़ती है, तो इंसान अंदर से पूरी तरह टूट जाता है।संकट का सबसे भयावह और मूक पहलू महानगरों में मानसिक रोगियों की बढ़ती फौज है। गर्मी और बिजली संकट को अक्सर हम केवल एक भौतिक या प्रशासनिक समस्या मानते हैं, लेकिन यह सीधे तौर पर हमारी मानसिक सुदृढ़ता पर हमला कर रहा है। 'द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ' में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, तापमान में प्रति एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अवसाद के मामलों में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी होती है।

अत्यधिक गर्मी से उसकी मानसिक सहनशीलता समाप्त हो जाती है। महानगरों में घरेलू हिंसा, सड़कों पर मामूली बात पर होने वाली 'रोड रेज' की हिंसक घटनाएं और दफ्तरों में कर्मचारियों के बीच बढ़ते टकराव के पीछे इस 'थर्मल स्ट्रेस' का बहुत बड़ा हाथ है। मनोचिकित्सकों के अनुसार, इन दिनों ओपीडी में आने वाले हर पांचवें मरीज में अनिद्रा और गर्मी जनित मानसिक तनाव मुख्य कारण बनकर उभर रहा है।यह स्थिति हमारी नीतिगत विफलताओं का आईना है।

गोगूमऊ गांव पहुंचे तहसीलदार, सुनील के टूटे आशियाने का लिया जायजा

कच्चे घर की हालत देख परिवार से की बातचीत, सपना से पूछा - बेटा आगे पढ़ाई करोगी

स्वराज इंडिया
खबर का असर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। स्वराज इंडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद आखिरकार प्रशासन हरकत में आया। गुरुवार को बिल्हौर तहसीलदार अनुभव चंद्रा चौबेपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम गोगूमऊ पहुंचे और मजदूर सुनील कठेरिया के घर जाकर परिवार की हालत देखी।

कच्चे घर की टूटी दीवारें, टपकता छप्पर और अंधेरे में जिंदगी काट रहे परिवार की हालत देखकर तहसीलदार भी कुछ देर के लिए शांत हो गए । उन्होंने पूरे घर का निरीक्षण किया और सुनील व उनके बच्चों से बातचीत कर समस्याएं सुनीं। इस दौरान तहसीलदार ने सपना से पढ़ाई को लेकर बात की। उन्होंने पूछा कि बेटा आगे पढ़ाई करोगी? इस पर सपना की आंखें भर आईं। परिवार की आर्थिक हालत के कारण उसकी पढ़ाई छूट चुकी है। बीमार फुलदुलारी की हालत देखकर तहसीलदार ने उन्हें दवाइयों के लिए आर्थिक सहयोग भी दिया। मदद मिलते ही फुलदुलारी की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि पहली बार कोई अधिकारी उनके घर तक पहुंचा और उनकी तकलीफ सुनी। तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने मजदूर सुनील के रोजगार को लेकर भी पहल की। उन्होंने चौबेपुर की एक फैक्ट्री में सुनील की नौकरी के लिए बात की, ताकि परिवार की आर्थिक स्थिति कुछ बेहतर हो सके। साथ ही तहसीलदार ने बीडीओ चौबेपुर से फोन पर बात कर सुनील के आवास व अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े दस्तावेजों का सत्यापन कर जांच कराने के निर्देश दिए।

सुनील के घर का जायजा लेते तहसीलदार अनुभव चंद्रा

ग्राम प्रधान पति से जानकारी लेते तहसीलदार

निरीक्षण के दौरान प्रधान को मौके पर बुलाया

सुनील कठेरिया के घर निरीक्षण करने पहुंचे तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने कच्चे मकान और परिवार की हालत देखने के बाद गांव के प्रधान को भी मौके पर बुलाया। कुछ देर बाद प्रधान पति विकास कटियार अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे। तहसीलदार ने जब सुनील को सरकारी आवास न मिलने का कारण पूछा तो प्रधान पति ने कहा, साहब, ये अपात्र हैं। पीछे इनका एक कमरा बना हुआ है। इसके बाद तहसीलदार स्वयं पीछे जाकर स्थिति देखने पहुंचे। प्रधान पति ने यह भी कहा कि सुनील बार-बार फर्जी शिकायतें करते रहते हैं। आवास देना उनके हाथ में नहीं है। उन्होंने बताया कि पूर्व में सुनील के पिता को पट्टा मिल चुका है, इसलिए यह परिवार पात्रता की श्रेणी में नहीं आता। बिजली कनेक्शन को लेकर प्रधान पति ने कहा कि सुनील के पिता के नाम बिजली बिल बकाया है, इसी कारण नया कनेक्शन नहीं हो पा रहा। मौके पर मौजूद प्रधान के कुछ समर्थक भी उनकी बातों में हां में हां मिलाते रहे। हालांकि प्रधान पति ने यह भी कहा कि जो सहयोग संभव होगा, वह आर्थिक रूप से कर देंगे।

साहब! हम अलग रहते हैं, प्रधान झूठ बोल रहे!

प्रधान की बातों पर मजदूर सुनील कठेरिया ने प्रधान के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जो पीछे वाला मकान प्रधान बता रहे हैं उसमें पिता जी और भाई अलग रहते हैं। मैं अपने परिवार के साथ आगे बने इस कच्चे मकान में रहता हूं। प्रधान जी झूठ बोल रहे हैं। सुनील ने कहा कि अगर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिला होता तो आज उनके बच्चे इस हालत में जिंदगी न जी रहे होते। उधर मौके पर खड़ी गांव की कुछ महिलाएं मुंह पर दुपट्टा बांधे आपस में धीरे-धीरे फुसफुसाती रहीं। महिलाओं का कहना था कि सुनील का परिवार वास्तव में बेहद परेशान है और लंबे समय से मदद का इंतजार कर रहा है।

प्रधान सपाई मानसिकता का है- विधायक

क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने गोगूमऊ गांव के मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि गरीब परिवार को योजनाओं से वंचित रखना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव का प्रधान सपाई मानसिकता का है, जिसकी वजह से पात्र परिवारों की अनदेखी हो रही है। विधायक ने कहा कि वह जल्द ही गोगूमऊ पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे और अधिकारियों से बात कर हर संभव मदद दिलाने का प्रयास करेंगे।

टमाटर के खेत में मिला नेपाली मजदूर का शव

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

- रौतापुर के पास रजबहे किनारे खेत में पड़ा मिला शव
- डायरिया से पीड़ित था मजदूर, तबीयत बिगड़ने से मौत की आशंका
- पुलिस बोली- पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद साफ होगी स्थिति

बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र में बुधवार शाम एक नेपाली मजदूर का शव टमाटर के खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया तबीयत बिगड़ने से मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।मृतक की पहचान नेपाल के कपिलवस्तु जनपद के गणेशपुर थाना क्षेत्र के लोहारौला गांव निवासी 40 वर्षीय सागर थारू के रूप में हुई।

वह चौबेपुर क्षेत्र स्थित शशिराज कोल्ड स्टोरेज में पल्लेदारी का काम करता था। बुधवार शाम उसका शव रौतापुर गांव के पास रजबहे किनारे टमाटर के खेत में पड़ा मिला। खेत में काम कर रहे ग्रामीणों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराई और परिजनों को सूचना दी। कुछ देर बाद साथी मजदूर और परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि सागर थारू पिछले कुछ दिनों से डायरिया से परेशान था। बुधवार को वह दवा लेने की बात कहकर कोल्ड स्टोरेज से निकला था। आशंका जताई जा रही है कि वह रजबहे की ओर गया होगा, जहां अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई।थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

अकीदत और एहतराम के साथ मनाई गई ईद-उल-अजहा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शनिवार को ईद-उल-अजहा का पर्व पूरे धार्मिक उल्लास, अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही बिल्हौर, मकनपुर, ककवन, अरौल और चौबेपुर, शिवराजपुर क्षेत्र की ईदगाहों व मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने अल्लाह की बारगाह में सजदा कर मुल्क में अमन-चैन, तरक्की, खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगी।

बिल्हौर कस्बे की ईदगाह में सुबह 7:15 बजे ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। नमाज के दौरान ईदगाह परिसर नमाजियों से खचाखच भरा नजर आया। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में त्योहार को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। कई स्थानों पर लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर सेवइयों और मिठाइयों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं।त्योहार को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। बिल्हौर ईदगाह में एसडीएम मनीष कुमार, तहसीलदार अनुभव चंद्रा,

एसीपी सुभाष समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने ईदगाह परिसर और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई थी। अधिकारियों ने लोगों से शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उधर लोगों ने कुर्बानी की रस्म अदा की। घरों में बच्चों और युवाओं में त्योहार को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर गले मिलकर बकरीद की मुबारक़बाद दी।

बकरीद को लेकर अलर्ट, शहर में पैदल उतरे डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय

» डीआईजी ने डीग गेट, दरेसी रोड, भरतपुर गेट, घिया मंडी रोड, मंडी रामदास रोड तथा श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मथुरा। बकरीद (ईद-अल-अजहा) पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार शाम पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। आगरा रेंज के डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं भारी पुलिस बल के साथ शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।डीआईजी ने डीग गेट, दरेसी रोड, भरतपुर गेट, घिया मंडी रोड, मंडी रामदास रोड तथा श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन से संवाद स्थापित किया। इस दौरान ब्लैक कमांडो, पीएसी एवं डॉग स्काड के साथ फ्लैग मार्च भी निकाला गया।

पैदल गश्त के दौरान प्रमुख बाजारों, व्यस्त चौराहों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को परखा गया। डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय ने लोगों से आपसी भाईचारा, शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की।उन्होंने अधिकारियों को अराजक तत्वों एवं सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की बात कही।इस मौके पर डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस-प्रशासन की सक्रियता से आमजन में सुरक्षा का भरोसा मजबूत दिखाई दिया।

मुल्क की हिफाजत को उठे हजारों हाथ,जालौन में सकुशल अदा हुई बकरीद की नमाज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

जालौन। ईद उल अजहा (बकरीद) जनपद भर में गुरुवार को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया।देश के अमन-चैन की दुआ के लिए हजारों हाथ उठे।अल्लाह से शांति,सदभाव व भाईचारे की दुआ मांगी।बकरीद मुबारक हो,की सदाएं फिजां में गूंज उठीं।बकरीद के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इतजाम किए गए थे।विकास की गंगा बहाने वाले,जनलोकप्रिय,कर्तव्यनिष्ठ व न्यायप्रिय जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं एसपी विनय कुमार सिंह द्वारा कस्बा उरई और कस्बा कालपी सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों का भ्रमणशील रहकर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया।नमाज के बाद डीएम और एसपी ने धर्मगुरुओं एवं मुस्लिम समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उन्हें ईद की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि ईद-उल-फितर का त्योहार हमें एकता,भाईचारे और शांति का संदेश देता है।दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने सख्त निर्देश दिया कि कुर्बानी खुले में न हो और प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न हो।नमाज अदा करने में किसी भी प्रकार की बाधा और समस्या न हो इसके लिए सभी ईदगाहों और मस्जिदों में प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किये गए हैं।

एनटीपीसी टांडा में 'सपनों की उड़ान' का शुभारंभ

बालिका सशक्तिकरण अभियान-2026 के जरिए बेटियों को मिलेंगे नए पंख

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अंबेडकरनगर। एनटीपीसी टांडा द्वारा नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआईआर पहल के अंतर्गत आयोजित 'सपनों की उड़ान' बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यशाला-2026 का भव्य शुभारंभ सरगम सभागार में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं को शिक्षा, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल के माध्यम से सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) एवं एनएसपीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिवाकर कौशिक रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तरा क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सीमा कौशिक उपस्थित रहीं। दीप प्रज्वलन और एनटीपीसी गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। बालिकाओं ने योग प्रदर्शन और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। दिवाकर कौशिक ने कहा कि बालिका सशक्तिकरण राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। वहीं श्रीमती सीमा कौशिक ने बेटियों को बड़े सपने देखने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एनटीपीसी टांडा के कार्यकारी निदेशक श्री जयदेव परिदा, श्रीमती संघमित्रा परिदा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

दुधवा के जंगल में दिखा रोमांच का रौद्र रूप

दो बाघों के बीच टेरिटरी वॉर ने थाम दी सांसें

इस दृश्य ने पर्यटकों और वन्यजीव प्रेमियों को रोमांचित कर दिया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व की सुनहरी शाम उस समय रोमांच और रोमांचक दहाड़ों से गूंज उठी, जब जंगल के बीच दो बाघ आमने-सामने आ गए। बुधवार शाम घने जंगलों में बाघों के बीच टेरिटरी वॉर का अद्भुत और दुर्लभ दृश्य देखने को मिला, जिसने वहां मौजूद पर्यटकों और वन्यजीव प्रेमियों को रोमांचित कर दिया।

बताया जा रहा है कि दोनों बाघ अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को लेकर आमने-सामने आए थे। कुछ देर तक चली दहाड़, आक्रामक मुद्रा और शक्ति प्रदर्शन ने जंगल के माहौल को पूरी तरह रोमांच से भर दिया। इस दौरान जंगल सफारी पर निकले पर्यटकों ने इस दुर्लभ पल को अपने कैमरों में कैद कर लिया।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, बाघों के बीच टेरिटरी को लेकर संघर्ष जंगल के प्राकृतिक व्यवहार का हिस्सा है। यह दृश्य न सिर्फ उनकी ताकत और प्रभुत्व को दर्शाता है, बल्कि दुधवा के समृद्ध वन्यजीवन की जीवंत तस्वीर भी पेश करता है। दुधवा टाइगर रिजर्व अपनी जैव विविधता, घने जंगलों और बाघों की मौजूदगी के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। यहां हर दिन प्रकृति का एक नया और रोमांचकारी अध्याय जीवंत होता दिखाई देता है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद-उल-अजहा

दिखी पुलिस की चौकसी, नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। क्षेत्र में ईद उल अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। जगह-जगह ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी और अमन-चैन की दुआ मांगी।रसूलाबाद कस्बे के बेला मार्ग स्थित प्राचीन ईदगाह में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्र हुए। यहां लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर ईद उल अजहा की नमाज अदा की। पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान बकाई ने नमाज से पहले बयान करते हुए कहा कि यह पर्व आपसी भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि खुले में कुर्बानी न करें तथा अवशेषों को सुरक्षित स्थान पर एकत्र कर नगर पंचायत की कूड़ा गाड़ी में डालें। नमाज के बाद हजारों हाथ दुआ के लिए उठे। लोगों ने कस्बे सहित पूरे देश में अमन, चैन और तरक्की की दुआ मांगी।

वहीं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर ईदगाह के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान उपजिलाधिकारी शिखा संखवार, तहसीलदार संतोष कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार, कोतवाल शिव नारायण सिंह, नगर पंचायत के वरिष्ठ लिपिक अमित कुमार शर्मा तथा सदर लेखपाल राधेश्याम गौतम सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे। वहीं हाफिज साजिद खान, हाफिज नदीम, मुस्तकीम सिद्दीकी, महफूज खान, हाजी आफताब आलम मंसूरी, हाजी फैजान खान, अकील अहमद पट्टा, तौसीफ सिद्दीकी गोले, अतहर खान भुट्टो, डॉ. मुस्तकीम, मुबीन राईन, वसीम अहमद, अय्यूब सिद्दीकी, सभासद मो. मशरूफ नवाज, फरहान मिनी, सुहैल अहमद, हाशिम खान, मुबीन सिद्दीकी राजा, सरताज अशरफ, सिराज मंसूरी, इमरान नियाजी, अरशद नवाब, अरबाज सिद्दीकी, सिराज अहमद, अकरम वारसी, शाहरुख मंसूरी और सज्जाक राईन सहित हजारों लोग मौजूद रहे।इसी प्रकार क्षेत्र के बिरहुन, कहिंजरी, असालतगंज, तिश्ती, पहाड़ीपुर और सेननाय मोहम्मद नगर समेत विभिन्न गांवों में भी शांतिपूर्ण माहौल में नमाज अदा की गई। नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ, जो आगामी तीन दिनों तक जारी रहेगा।

पिकप ने बाइक में टक्कर मारी, पशु चिकित्सक की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर-नवीपुर मार्ग पर जमरेही गांव के सामने बुधवार शाम तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पशु चिकित्सक की मौत हो गई, जबकि उसका साला गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पिकअप को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। पतरा गांव निवासी राम चंद्र सोनकर उर्फ सुक्खू (54) पशुओं का इलाज कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बुधवार शाम करीब छह बजे वह अपने साले दिनेश उर्फ छोटे निवासी कौसम को बाइक से उसके गांव छोड़ने जा रहे थे। तभी जमरेही गांव के सामने पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राम चंद्र सोनकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल दिनेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गजनेर में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि पिकअप को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में हुई आंखों की जांच

मोतियाबिंद मरीजों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के रतनपुर ग्राम पंचायत में गुरुवार को विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श और दवाएं वितरित की गईं।समाजसेवी नागेंद्र सिंह राजावत 'बंटू' के सहयोग से आयोजित इस शिविर का संचालन शंकरा आई हॉस्पिटल के तत्वावधान में किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने लोगों की आंखों की जांच की। जांच के दौरान दो दर्जन से अधिक मरीजों में मोतियाबिंद की समस्या पाई गई, जिन्हें निःशुल्क ऑपरेशन के लिए कानपुर स्थित शंकरा नेत्र अस्पताल, तातियागंज भेजा गया। चिकित्सकों ने बताया कि मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का अस्पताल में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा और आवश्यक देखभाल भी उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में आए जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवाएं भी वितरित की गईं। इस अवसर पर चिकित्सक गुरदेव सिंह, गोविंद त्रिवेदी, शरद पांडेय, हिमांशु समेत चिकित्सा टीम मौजूद रही। वहीं मनीष सिंह, जमाने सिंह गौर, चिंटू गौर, अंतर यादव, श्याम पाल सिंह, विजयपाल सिंह गौर, जगदीश सिंह राजावत, सत्येंद्र सिंह और अमित सिंह गौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खाना बनाते समय झोपड़ी में लगी आग मोटरसाइकिल समेत गृहस्थी जलकर राख

ग्रामीणों ने बाल्टियों और समर पंप की मदद से कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया

कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के अशोकनगर में बुधवार शाम खाना बनाते समय एक झोपड़ी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे झोपड़ी में रखा घरेलू सामान और एक मोटरसाइकिल जलकर राख हो गई।

जानकारी के अनुसार झोपड़ी मालिक अजय की पत्नी मालती खाना बना रही थीं। इसी दौरान अचानक झोपड़ी से धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में आग फैल गई। आग की लपटों ने झोपड़ी में रखा भूसा, बिस्तर, चारपाई और अन्य गृहस्थी का सामान अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगने की सूचना पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बाल्टियों और समर पंप की मदद से कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। इस दौरान किसी तरह अधजली मोटरसाइकिल को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक वह काफी हद तक जल चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर राजपुर चौकी इंचार्ज गुरेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि आग पूरी तरह बुझा दी गई है। प्रथम दृष्टया घरेलू सामान के नुकसान की बात सामने आई है। मामले में प्रार्थना पत्र मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित अजय ने बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आग लगने से उनकी पूरी गृहस्थी जल गई है, जिससे परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

युवक पर लोहे की रॉड से हमला चार पर केस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली में एक युवक ने चार लोगों के खिलाफ मारपीट और हमला करने का मामला दर्ज कराया है।

पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सट्टी गांव निवासी वसीम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 20 मई को वह पुखरायां मवेशी लेने गया था। आरोप है कि वहां पहले से घात लगाए बैठे गांव के ही मेहरबान पुत्र नन्हे, जीशान, रेहान तथा फैजान ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लोहे की रॉड और पत्थरों से हमला कर दिया।

हमले में घायल वसीम को डायल 112 पुलिस द्वारा सीएचसी पुखरायां में भर्ती कराया गया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

पुखरायां चौकी इंचार्ज अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ

मामला दर्ज कर लिया गया है।चालक को हिरासत में लिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

महिला से मारपीट तीन लोगों पर मुकदमा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के असेवा गांव में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने गांव के ही तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। असेवा गांव निवासी कामिनी पुत्री वेदप्रकाश ने भोगनीपुर कोतवाली में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि गांव के ही भूरा उर्फ अर्पित, आनंद और समरथ ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

हरकत में आए अधिकारी, बिल्टी गांव पहुंचकर किया निरीक्षण

स्वराज इंडिया की खबर का असर, प्रभारी खंड विकास अधिकारी विमल सचान, एडीओ पंचायत व सचिव ने लिया मौके का जायजा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ग्राम पंचायत बिल्टी में जलनिकासी की समस्या को लेकर ग्रामीणों की परेशानी प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। स्वराज इंडिया समाचार पत्र ने 27 मई के अंक में पेज नंबर-8 पर फ्रजलनिकासी ठप, सीसी सड़क पर बह रहा बदबूदार पानीफ्र शीर्षक से खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लेते हुए गांव पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया।

स्वराज इंडिया ने उठाई थी समस्या

हलचल खबर का असर

गुरुवार को प्रभारी खंड विकास अधिकारी विमल सचान, बीडीओ पंचायत ऋचा सचान व ग्राम पंचायत सचिव मौके पर पहुंचे और सड़क पर भरे प्रदूषित पानी तथा जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि से जल निकासी व्यवस्था को लेकर चर्चा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने तत्काल अस्थायी रूप से पानी निकासी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। साथ ही अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि विधायक निधि अथवा ब्लॉक स्तर से प्रस्ताव बनवाकर सड़क व स्थायी जलनिकासी व्यवस्था के निर्माण के लिए जल्द कार्रवाई कराई जाएगी।गौरतलब है कि गजनेर-रायपुर मुख्य मार्ग से बिल्टी गांव को जाने वाली सीसी सड़क पर लंबे समय से जलनिकासी की व्यवस्था न होने के कारण घरों का गंदा पानी सड़क पर भर रहा था। इससे दुर्गंध फैल रही थी और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक अमले की सक्रियता से ग्रामीणों में समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है।इस संबंध में ग्राम प्रधान अंजना सिंह के पति अभिषेक सिंह ने दोबारा बातचीत में बताया कि मौजूदा स्थिति में जलनिकासी कराना काफी कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि आखिर पानी निकले भी तो किस रास्ते से निकले, क्योंकि सड़क किनारे स्थायी नाला ही

नहीं बना है। उनका कहना है कि जब तक सड़क के साथ नई जलनिकासी व्यवस्था और नाला निर्माण नहीं कराया जाएगा, तब तक जलभराव और गंदे पानी की समस्या बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल अस्थायी रूप से पानी निकासी के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन स्थायी समाधान के लिए नई योजना के तहत सड़क व नाला निर्माण आवश्यक है।

ई-ऑफिस संचालन में लापरवाही पर सख्त हुए सीडीओ, वेतन रोकने की चेतावनी

» हर विभाग में ई-ऑफिस संचालन अनिवार्य, जिम्मेदार अधिकारी और पटल सहायक पर होगी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी संचालन एवं शासकीय कार्यों के डिजिटलीकरण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्यालयी कार्यों को पूर्णतः पारदर्शी, समयबद्ध एवं डिजिटल माध्यम से संचालित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से फाइलों के निस्तारण में तेजी आएगी और कार्यप्रणाली अधिक जवाबदेह एवं सुगम बनेगी।

सीडीओ ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक विभाग में ई-ऑफिस का संचालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के साथ-साथ जिम्मेदार पटल सहायक (बाबू) का वेतन भी रोका जाएगा।मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग प्रति माह कम से कम पांच फाइलों का संचालन ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से अवश्य करे। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।

बैठक में लंबित फाइलों के शीघ्र निस्तारण, कार्यालयों में डिजिटल कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने तथा ई-ऑफिस संचालन से जुड़ी तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए विधान जायसवाल ने सभी विभागों को पूर्ण गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिला ने आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती में रिश्वत मांगने का लगाया आरोप

» डीएम से लगाई गुहार, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ने कार्रवाई की उठाई मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा क्षेत्र में आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। दोहरापुर गांव की निवासी एक महिला ने आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती में रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत सामने आने के बाद विभागीय हलकों में हड़कंप मच गया है।

पीड़िता निधि देवी ने जिलाधिकारी कपिल सिंह को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उन्होंने गांव दोहरापुर में आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए आवेदन किया था।

आरोप है कि चयन प्रक्रिया में उनका नाम शामिल कराने के एवज में बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ मलासा) कुसुम सैनी द्वारा एक लाख रुपये की मांग की गई। साथ ही रिश्वत न देने पर चयन न होने की बात कही गई। निधि देवी ने बताया कि वह भूमिहीन एवं निराश्रित महिला हैं और मजदूरी कर अपने दो बच्चों कापालन-पोषण करती हैं। उन्होंने दावा किया कि रिश्वत मांगने से संबंधित बातचीत की रिकॉर्डिंग भी उनके पास सुरक्षित है, जिसे जांच के दौरान साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। मामले को गंभीर बताते हुए जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अनुराग दिवाकर ने जिलाधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) से शिकायत कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार पाया जाता है तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के अधिकारों का हनन न हो। शिकायत के बाद अब प्रशासनिक कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। वहीं क्षेत्र में भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

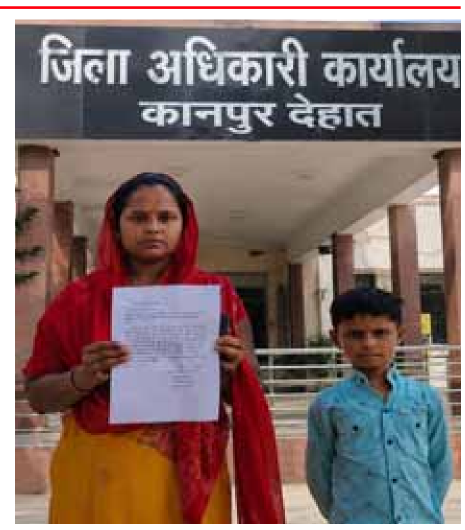

लखनऊ में पति बना हैवान, बीच सड़क पत्नी का गला रेतकर की हत्या

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

चार महीने से चल रहा था विवाद, मिलने बुलाकर किया हमला

तलाक केस के बीच वारदात से सनसनी, पति पुलिस हिरासत में

लखनऊ। लखनऊ के ऐशबाग इलाके में बुधवार को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई, जहां एक युवक ने अपनी पत्नी की बीच सड़क चाकू से हमला कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, हालांकि पुलिस ने कुछ ही घंटों में उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक ऐशबाग निवासी 26 वर्षीय चांदनी का निकाह रामनगर तकिया चांद निवासी मोहम्मद शाहिद से हुआ था। दोनों के बीच पिछले चार महीनों से विवाद चल रहा था और चांदनी मायके में रह रही थी। दोनों के बीच तलाक का मामला भी कोर्ट में विचाराधीन था, जिसकी अगली तारीख 9 जून तय थी।

बताया गया कि बुधवार दोपहर शाहिद ने फोन कर चांदनी को मिलने के लिए बुलाया। चांदनी स्कूटी से पीली कॉलोनी स्थित अपनी भाभी के घर जा रही थी, तभी रास्ते में शाहिद उससे मिला। जैसे ही चांदनी ने स्कूटी रोकी, शाहिद ने चाकू निकालकर उसके गले और सीने पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

हमले के बाद घायल चांदनी जान बचाने के लिए भागी, लेकिन शाहिद ने उसका पीछा किया। दौड़ते समय चांदनी सड़क पर गिर गई, जिसके बाद आरोपी ने उसका गला रेत दिया। वारदात के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बाजारखाला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और कुछ घंटों बाद आरोपी शाहिद को हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मृतका की मां सबून ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही शाहिद और उसके परिवार वाले दहेज को लेकर चांदनी को प्रताड़ित करते थे। आए दिन मारपीट होती थी, जिसके चलते बेटी मायके में रह रही थी और तलाक का मुकदमा चल रहा था। पुलिस के अनुसार चांदनी का चार साल का एक बेटा भी है। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बांदा में मौत बनकर दौड़ा बालू लदा ट्रक, छह की गई जान

» साइकिल सवार को कुचलने के बाद भाग रहे ट्रक ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, कई घायल; गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बांदा। जिले में बुधवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। बिसंडा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने पहले एक साइकिल सवार को कुचल दिया और फिर भागने के दौरान ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार, घूरी गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक रामेश्वर (61) बुधवार शाम बीआरसी से साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। तभी खुरहंड की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि ट्रक का पहिया उनके सिर के ऊपर से गुजर गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने ट्रक चालक को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह वाहन लेकर मौके से भाग निकला। लोगों ने पीछा किया तो चालक ने ट्रक की गति और बढ़ा दी। करीब दो किलोमीटर आगे ओरन रोड पर ट्रक अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ई-रिक्शा से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में कोर्रही गांव की ममता (48), राकेश (45), शहबाज (12) और मुबीन (40) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सोहनलाल (50), उनकी पत्नी बौरी (49), बेटी शिवकली (17), शबाना (40) और उसकी तीन माह की बेटी साफिया गंभीर रूप से घायल हो गए।

बाद में उपचार के दौरान दो अन्य घायलों ने भी दम तोड़ दिया। अस्पताल में भर्ती अन्य घायलों की हालत भी चिंताजनक बताई जा रही है। घटना के बाद ट्रक सड़क किनारे पलट गया, जबकि चालक फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। जिलाधिकारी अमित आसेरी ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है और सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

मेरठ में एक दिन में छह शव मिलने से हड़कंप, कई इलाकों में फैली सनसनी

» नहर, नाले और हाईवे किनारे मिले शव, दो की ही हो सकी पहचान

कुछ मौतों में शराब की आशंका, बाकी मामलों में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मेरठ। मेरठ जिले में बुधवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों से छह शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। नहर, नाले, हाईवे किनारे और खाली प्लॉटों से मिले शवों ने पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। इनमें से केवल दो मृतकों की ही पहचान हो सकी है, जबकि बाकी शवों की शिनाख्त के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं। सभी मामलों में जांच शुरू कर दी गई है।मवाना-हस्तिनापुर बॉर्डर स्थित रजवाहे में बुधवार सुबह ग्रामीणों ने पुलिया के नीचे झाड़ियों में फंसा एक शव देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बाहर निकलवाया। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों से गुमशुदगी का रिकॉर्ड खंगाल रही है।

किठौर क्षेत्र में हसनपुर कलां गांव के पास गंगा ढाबे की दीवार के निकट एक अधेड़ का शव पड़ा मिला। पुलिस ने उसकी पहचान पंचगांव पट्टी अमरसिंह निवासी 52 वर्षीय महेश तोमर के रूप में की। पुलिस के अनुसार मृतक शराब का आदी था और प्रारंभिक जांच में अत्यधिक शराब सेवन से मौत की आशंका जताई जा रही है।वहीं दौराला थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे रूहासा कट के पास खाई में मिले शव की पहचान दिल्ली के गोकुलपुरी निवासी 55 वर्षीय परवेज के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक वह मजदूरी का काम करता था और 18 मई से लापता था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पूठखास गंगनहर पुल पर ग्रामीणों ने गंगनहर में एक शव बहता देखा और पुलिस को सूचना दी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंची। बाद में शव बहकर भोला क्षेत्र की ओर निकल गया। इस मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।रेलवे रोड थाना क्षेत्र के जैननगर मंदिर के पास नाले में भी एक अज्ञात शव मिला। पुलिस के अनुसार शव करीब आठ से दस दिन पुराना है और बुरी तरह सड़-गल चुका है। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष आंकी जा रही है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों से मिलान कर रही है। इसके अलावा सरधना रोड स्थित कैलाश विहार कॉलोनी में मंगलवार शाम एक खाली प्लॉट में करीब 32 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला।

19 साल बाद खुला 12 करोड़ का तरणताल
उद्घाटन के साथ ही खुल गईं दरारें!

लोकार्पण से पहले ही टूटी टाइल्स और चिटकी फर्श ने खड़े किए सवाल, गुणवत्ता पर घिरा निर्माण

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से बना तरणताल आखिरकार 19 साल बाद जनता के सामने आ गया, लेकिन उद्घाटन के साथ ही इसकी गुणवत्ता पर सवालों का तूफान खड़ा हो गया। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी क्रीड़ा परिसर में बने इस स्विमिंग पूल का लोकार्पण कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। साथ ही 400 किलोवाट सोलर प्लांट का भी उद्घाटन हुआ।

लेकिन समारोह की चमक के बीच टूटी टाइल्स, चिटकी फर्श और अधूरे निर्माण ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी। बताया जा रहा है कि उद्घाटन से पहले आनन-फानन में मरम्मत कराई गई, फिर भी कई जगह खामियां साफ दिखाई देती रहीं।

गौरतलब है कि यह परियोजना 2007-08 में शुरू हुई थी और लगभग 90 प्रतिशत भुगतान वर्षों पहले हो चुका था, लेकिन काम दो दशक तक अधूरा पड़ा रहा।

अब सवाल उठ रहा है कि क्या सिर्फ फीता काटने की जल्दबाजी में अधपके निर्माण को तैयार घोषित कर दिया गया? विश्वविद्यालय परिसर में यही चर्चा सबसे ज्यादा गर्म है।

रामलला के भोग प्रसाद को मिलेगा गुणवत्ता प्रमाणपत्र

» राम मंदिर की रसोई और गोदाम का खाद्य विभाग ने किया ऑडिट

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला को अर्पित होने वाले भोग प्रसाद को जल्द ही खाद्य एवं औषधि विभाग की ओर से गुणवत्ता प्रमाणपत्र मिलने जा रहा है। प्रमाणन प्रक्रिया के तहत प्री-ऑडिट की शुरुआत की गई। इस दौरान खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने राम मंदिर परिसर पहुंचकर रसोई, गोदाम और प्रसाद निर्माण व्यवस्था का निरीक्षण किया।

ऑडिट प्रक्रिया में नामित एजेंसियां ऑडिट एडिटोरियल क्वालिटी प्राइवेट लिमिटेड और एसडी ग्लोबल की टीम भी मौजूद रही। प्रसाद तैयार करने वाले सभी फूड हैंडलर्स को विशेष प्रशिक्षण दिया गया, वहीं मेडिकल टीम द्वारा उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। जांच में सभी फूड हैंडलर्स स्वस्थ पाए गए। सहायक आयुक्त मानिकचंद सिंह ने बताया कि 28 मई को पोस्ट-ऑडिट किया जाएगा। इसके बाद पूरी रिपोर्ट खाद्य विभाग की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। रिपोर्ट अपलोड होने के 56 घंटे बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को आधिकारिक गुणवत्ता प्रमाणपत्र सौंप दिया जाएगा।

कौशलपुरी के पार्कों में भ्रष्टाचार का 'ओपन जिम मॉडल'!

» लगते ही टूट गए झूले, घटिया उपकरणों ने खोली विकास दावों की पोल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी को विश्वस्तरीय शहर बनाने के दावों के बीच अयोध्या विकास प्राधिकरण के सौंदर्यीकरण कार्यों पर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। कौशलपुरी फेज-वन के पार्कों में लगाए गए ओपन जिम और बच्चों के झूलों की हालत ने विकास कार्यों की गुणवत्ता की पोल खोल दी है। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद कई झूले लगते ही टूट गए, जबकि व्यायाम उपकरण भी कुछ ही दिनों में जवाब देने लगे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्कों में मानक विहीन और बेहद घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया। बच्चों के खेलने वाले झूले टूटने से हादसे का खतरा मंडरा रहा है, वहीं बुजुर्गों और युवाओं के लिए लगाए गए ओपन जिम उपकरण भी उपयोग लायक नहीं बचे। चर्चा है कि कार्यदायी संस्था ने कमीशनखोरी के खेल में गुणवत्ता को पूरी तरह ताक पर रख दिया। क्षेत्रवासियों ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो यह सौंदर्यीकरण किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

समाज की सेवा ही मेरा धर्म, राजन पाण्डेय ने प्रेस क्लब को भेंट किया फ्रिज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। वरिष्ठ समाजसेवी राजबहादुर पाण्डेय उर्फ राजन पाण्डेय ने कहा कि समाज के हर वर्ग की सेवा करना उनकी पहली प्राथमिकता है। प्रेस क्लब सिविल लाइंस में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि गरीबों, जरूरतमंदों और पीड़ित परिवारों की मदद करना उनके जीवन का उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि गरीब बेटियों की शादी, अनाथ बच्चों की सहायता, कम्बल वितरण और दुःख की घड़ी में परिवारों का सहयोग वह पिछले लगभग 30 वर्षों से लगातार करते आ रहे हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए राजन पाण्डेय ने प्रेस क्लब को एक फ्रिज भेंट किया, ताकि आने वाले पत्रकारों और लोगों को ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सके। प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने अंगवस्त्र और प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंटकर उनका सम्मान किया।

कार्यक्रम में साउंड सिस्टम उपलब्ध कराने की मांग पर भी उन्होंने जल्द व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार इन्द्रभूषण पाण्डेय, प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष सूर्यनारायण सिंह, पूर्व सचिव नाथबक्श सिंह, पूर्व कोषाध्यक्ष उग्रसेन मिश्र, प्रमोद श्रीवास्तव, के.के. मिश्र, राजू दूबे, अनिल निषाद, रूपेश श्रीवास्तव, समीर शाही, राकेश श्रीवास्तव, आकाश सोनी, सुबोध श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, कुशलचन्द्र मिश्र, हरिश्चन्द्र सिंह, गुलजार खान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

बाहरी दवा, जांच लिखने वाले डॉक्टरों पर होगी कार्रवाई

» डीएम की सख्ती से जिला अस्पताल में मचा हड़कंप, गरीब मरीजों को राहत की उम्मीद

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जिला अस्पताल में अब मरीजों को बाहर की दवा और जांच लिखना डॉक्टरों को भारी पड़ सकता है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सख्त रुख अपनाते हुए साफ निर्देश दिए कि अस्पताल में तैनात कोई भी डॉक्टर मरीजों को बाहरी दवा या जांच न लिखे। डीएम ने चेतावनी दी कि शिकायत मिलने पर सीधे जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इसके बाद प्रमुख अधीक्षक डॉ. राजेश सिंह ने सभी विशेषज्ञों और चिकित्सा अधिकारियों को आदेश जारी कर नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि उल्लंघन की स्थिति में संबंधित डॉक्टर स्वयं जिम्मेदार होंगे। सरकारी अस्पतालों में लंबे समय से बाहर की दवा और निजी जांच केंद्रों से सांठगांठ की शिकायतें उठती रही हैं, जिससे गरीब मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता था। डीएम की इस कार्रवाई से मरीजों को राहत मिलने और सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

होर्मुज में जंग की आहट: ईरान ने अमेरिकी एयरबेस पर दागीं मिसाइलें, खाड़ी में बढ़ा तनाव

अमेरिकी हमलों के जवाब में आईआरजीसी का पलटवार, बंदर अब्बास बना संघर्ष का सबसे संवेदनशील मोर्चा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में एक बार फिर युद्ध जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने गुरुवार तड़के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास स्थित एक अमेरिकी एयरबेस पर मिसाइल हमला करने का दावा किया है। हालांकि अमेरिकी प्रशासन ने अभी तक हमले के स्थान और नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार सुबह करीब पांच बजे यह सैन्य कार्रवाई की गई। आईआरजीसी ने बयान जारी कर कहा कि बंदर अब्बास एयरपोर्ट के पास अमेरिकी सेना द्वारा किए गए हमलों के जवाब में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ईरानी सेना ने इसे रक्षात्मक जवाब करार दिया है।

इससे पहले अमेरिका ने दावा किया था कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाने की तैयारी कर रहा था। अमेरिकी नौसेना ने इसी आधार पर बंदर अब्बास के आसपास आईआरजीसी के जहाजों, ड्रोन कंट्रोल स्टेशनों और सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई की थी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान की गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और तेल आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बन रही थीं।

दोनों देशों के बीच तनाव फरवरी के अंत से लगातार बढ़ रहा है। 28 फरवरी को हुई भीषण सैन्य झड़पों के बाद अस्थायी युद्धविराम लागू किया गया था, लेकिन दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे पर सीजफायर उल्लंघन के आरोप लगाते रहे हैं। ताजा हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में हालात और अधिक विस्फोटक हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान अब आखिरी सांसें गिन रहा है। ट्रंप ने संकेत दिए कि परमाणु समझौते को लेकर बातचीत की संभावना अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन मौजूदा हालात में दोनों देशों के बीच अविश्वास चरम पर पहुंच चुका है।

दरअसल, विवाद की जड़ ईरान का परमाणु कार्यक्रम बना हुआ है। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने समृद्ध यूरेनियम का नियंत्रण अंतरराष्ट्रीय निगरानी में सौंप दे, जबकि तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव में अपने परमाणु अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि बंदर अब्बास अब इस संघर्ष का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है। ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित यह बंदरगाह देश की अर्थव्यवस्था, तेल निर्यात और सैन्य आपूर्ति की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में यहां बढ़ती सैन्य गतिविधियां पूरे पश्चिम एशिया को बड़े संघर्ष की ओर धकेल सकती हैं।

क्यों अहम है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज?

- दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल व्यापार का रास्ता
- खाड़ी देशों की ऊर्जा आपूर्ति की मुख्य लाइफलाइन
- यहां तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल कीमतों में उछाल संभव
- अमेरिका की नौसैनिक मौजूदगी का सबसे रणनीतिक क्षेत्र

बंदर अब्बास क्यों बना टकराव का केंद्र?

- ईरान का सबसे बड़ा सामरिक बंदरगाह
- नौसेना और आईआरजीसी का प्रमुख ऑपरेशन बेस
- तेल निर्यात और हथियार आपूर्ति का अहम मार्ग
- अमेरिकी निगरानी और सैन्य दबाव का मुख्य निशाना

परमाणु विवाद ने कैसे बढ़ाई दूरी?

- अमेरिका चाहता है यूरेनियम पर अंतरराष्ट्रीय नियंत्रण
- ईरान इसे अपनी संप्रभुता का मुद्दा बता रहा
- पुराने परमाणु समझौते पर भरोसा लगभग खत्म
- बातचीत और सैन्य कार्रवाई साथ-साथ चल रही

दुनिया पर क्या पड़ेगा असर?

- कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल संभव
- एशियाई और यूरोपीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है
- समुद्री व्यापार और शिपिंग बीमा महंगा होगा
- पश्चिम एशिया में व्यापक युद्ध की आशंका गहरा सकती है

जापान ने भारतीय आमों पर फिर लगाया ब्रेक, 20 साल बाद बड़ा झटका

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। जापान ने भारत से ताजा आमों के आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। करीब 20 साल बाद उठाए गए इस कदम से भारतीय आम निर्यातकों को बड़ा झटका लगा है। यह रोक ऐसे समय लगाई गई है जब अप्रैल से जून तक आम निर्यात का चरम सीजन चल रहा है। प्रतिबंध का सीधा असर अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली जैसी लोकप्रिय भारतीय किस्मों पर पड़ा है।

- धूमन और कीटाणुशोधन प्रक्रिया में खामियां मिलने पर आयात तत्काल रोका गया
- अल्फांसो, केसर और लंगड़ा समेत कई लोकप्रिय किस्मों के निर्यात पर असर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जापानी संगरोध अधिकारियों को भारतीय उपचार सुविधाओं में धूमन और कीटाणुशोधन प्रक्रियाओं में गंभीर खामियां मिली हैं। इसके बाद जापान ने भारत से आने वाले आमों की खेप पर तत्काल रोक लगाने का फैसला किया। योकोहामा प्लांट प्रोटेक्शन एसोसिएशन ने 31 मार्च को जारी अधिसूचना में कहा कि 25 मार्च 2026 या उसके बाद जारी निरीक्षण प्रमाण-पत्र वाले सभी शिपमेंट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। जापानी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक भारतीय उपचार सुविधाएं तय मानकों को पूरी तरह पूरा नहीं करतीं, तब तक आयात निलंबित रहेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में जापानी निरीक्षकों की टीम उत्तर प्रदेश के रहमानपुर स्थित वाष्प ताप उपचार केंद्र का निरीक्षण करने पहुंची थी। यह प्रक्रिया आमों को नियंत्रित गर्म और आर्द्र वातावरण में रखकर कीटों को खत्म करने के लिए अपनाई जाती है। निरीक्षण के दौरान प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने के बाद टोक्यो ने तुरंत कार्रवाई की। वित्तीय वर्ष 2025-26 में गुजरात के केसर आम जापान को भारत के कुल आम निर्यात में सबसे आगे रहे थे। जापान को ताजा और प्रसंस्कृत आम उत्पादों का कुल निर्यात करीब 1.54 मिलियन डॉलर का रहा, जिसमें अकेले केसर आम की हिस्सेदारी लगभग 0.2 मिलियन डॉलर बताई गई है। भारत के प्रमुख आम निर्यात बाजारों में संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और सऊदी अरब शामिल हैं।

गौरतलब है कि जापान ने पहली बार वर्ष 1986 में फल मक्खी संक्रमण के खतरे को देखते हुए भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लंबी वैज्ञानिक जांच और कूटनीतिक प्रयासों के बाद वर्ष 2006 में तत्कालीन वाणिज्य मंत्री कमलनाथ के प्रयासों से यह प्रतिबंध हटाया गया था। इसके बाद भारत ने ताप उपचार प्रणाली लागू कर जापान को भरोसा दिलाया था कि भारतीय आम सुरक्षित और कीटमुक्त हैं।

सीमा पर अवैध निर्माणों पर चलेगा बुलडोजर, अमित शाह का सख्त आदेश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और सीमा पार अपराधों पर शिकंजा कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा के 15 किलोमीटर दायरे में बने सभी अवैध निर्माणों को तत्काल प्रभाव से गिराने के निर्देश दिए गए हैं।

- पाकिस्तान बॉर्डर से 15 किमी दायरे में सभी अवैध ढांचे ध्वस्त करने के निर्देश

गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे संवेदनशील इलाकों में अब 'जीरो टॉलरेंस' नीति सख्ती से लागू की जाएगी। गृह मंत्री ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में मौजूद सभी अनधिकृत और अवैध ढांचों को ध्वस्त किया जाए। यह निर्देश उन्होंने राजस्थान दौरे के दौरान दिए, जहां राज्य की लंबी सीमा पाकिस्तान से लगती है।

अधिकारियों के मुताबिक, सीमावर्ती जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। इसमें बैंकिंग लेनदेन की निगरानी, बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों का सत्यापन, फर्जी खातों और शेल कंपनियों की पहचान, फर्जी आधार कार्डों की जांच और सीमा पार तस्करी पर नियंत्रण शामिल है। बीकानेर में आयोजित उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में अमित शाह ने भारत-पाकिस्तान सीमा से जुड़े सुरक्षा मुद्दों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर तथा फलोदी जिलों के डीएम और एसपी मौजूद रहे।

गृह मंत्रालय ने सीमावर्ती जिलों को मादक पदार्थों की तस्करी, घुसपैठ, आतंक वित्तपोषण और अन्य सीमा पार अपराधों के नेटवर्क का गहन अध्ययन कर स्थायी समाधान विकसित करने के निर्देश दिए हैं। अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों, सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन के समन्वय से 360 डिग्री सुरक्षा कवच तैयार किया जाना जरूरी है बैठक में सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर भी जोर दिया गया। गृह मंत्री ने कहा कि सीमा से जुड़े हर अवैध नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए समन्वित और आक्रामक रणनीति अपनाई जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com